Facility wise Observation of Gorakhpur district during Supportive supervision

वार्षिक आशा सम्मेलन

Key Issues

वार्षिक आशा सम्मेलन का आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा बहुत ही सुचारू रूप से किया गया। आशाओं को उनके अच्छे कार्य हेतु जिलाधिकारी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि चेक के द्वारा दिया गया। आशाओं द्वारा ससमय इन्सेन्टिव के भुगतान न होने की समस्या के समाधान हेतु शिकायत की गई। जिलाधिकरी महोदय एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा इस समस्या के जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया।

जिला महिला चिकित्सालयः–

- ब्लड बैंकः– जिला महिला चिकित्सालय में ब्लड बैंक की सुविधा उपलब्ध नही है। मुख्य चिकित्सा अधिक्षिका द्वारा अवगत कराया गया की आवश्यक्ता पड़ने पर जिला चिकित्सालय में स्थित ब्लड बैंक से आवश्यक्तानुसार रक्त उपलब्ध करा दिया जाता है।
- चिकित्सालय के मुख्य द्वार के अन्दर चिकित्सालय के Map एवं Citizen Chartered की आवश्यक्ता को मुख्य चिकित्सा अधिक्षिका को सुझाया गया,
- ओ0पी0डी0 में महिला मरीजों की जांच के दौरान पर्दे की व्यवस्थ नही की गयी हैं एवं वाश बेसिन पर Liquid soap एवं Towel नही थे।
- ऑप्रेशन कक्ष पूर्ण रूप से सुसज्जित था परन्तु आवश्यक्ता के अनुसार ऑप्रेशन कक्ष छोटा था मुख्य चिकित्सा अधिक्षिका द्वारा अवगत कराया गया की नया ऑप्रेशन कक्ष बन कर तैयार हो चुका है जल्द ही उसे शुरू कर दिया जायेगा।
- लेबर रूम में सारी व्यवस्थायें ठीक पाई गयी।
- प्रयोगशाला में सारी व्यवस्थायें ठीक पाई गयी।
- वार्ड में एक पंखा खराब था जिसे तत्काल ठीक करा दिया गया। साफ सफाई संतोषजनक था।
- स्तनपन कराने हेतु अलग से कोई कक्ष की व्यवस्था नही की गई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपराईचः–

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपराईच की सारी व्यवस्थायें एवं दी जाने वली सुविधायें सुचारू रूप से संचलित पायी गई। जिलाधिकारी महोदय को बिजली के व्यकल्पिक व्यवस्था हेतु सोलर एनर्जी से बिजली की आपूर्ति हेतु टीम द्वारा सुझाव दिया गया। जिलाधिकरी महोदय एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा इस समस्या के जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भटहटः–

- ओ0पी0डी0 में चिकित्सकों द्वारा मरीज़ों को बाहर के मेडिकल स्टोर से खरीदने के लियें दवाईयां लिखी जा रही थी। जबकि दवाईयां चिकित्सालय के ड्रग स्टोर में उपलब्ध थी।
- किसी भी स्तर पर साफ सफाई की व्यवस्था ठीक नही थी, प्रयोग की गई सीरिंज खुली अवस्था में पाई गयी, जिससे संक्रमण की संभावनायें बढ़ जाती है। अस्पताल के कचरे को सही निष्पादन हेतु कोई व्यवस्था नही की गई है। अस्पताल के अधिकारी एवं कर्मचारी भी इसके प्रति उदासीन दिखाई दिये।
- प्रयोगशाला में भी अव्यवस्थायें पायी गई।
- वार्ड में भी साफई व्यवस्था ठीक नही थी। प्रसव उपरान्त प्रसुता को 48 घन्टे नही रोका जा रहा है।

उपकेन्द्र मुड़िलाः–

- उपकेन्द्र पर विद्युत कनेक्सन नही है।
- उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 के ठहरने हेतु क्वार्टर बने हुयें है पर ए0एन0एम0 वहां नहीं रहती है।
- उपकेन्द्र में बने शौचालय काफी गन्दा मिला एवं उपयोग के योग्य नही है।

दिनांक 26.08.2015 को वार्षिक आशा सम्मेलन के आयोजन के कारण नियमित टीकाकरण का सत्र निरस्त कर दिया गया था।